

ॐ

...कुल ...

५३५

37

18. Feb. 1899

James G. Thompson

1849

[Faint handwritten text, possibly "Lentil"]

ए... की भवती श्री कृपया...
 वरुं... वरुं...
 रम कय पालिके...
 गेन प विडिनी...
 ठि धुरैः...
 का वि... ॥ ठि कैल...

विक्रय...
 वि...
 वि...

मन्त्रेण चैव सर्वं भक्तसुरभः । हृदि ध्यायन्तं भगवत्पदं ॥
न भूय न भूय न भूय न भूय । भगवत्पदं हृदि ध्यायन्तं ॥
अथैवमं भूय न भूय । भूय न भूय न भूय न भूय ।
सुखं कथितं ॥ श्रीनृकेश्वर उवाच ॥
सर्वं भगवत्पदं भूय न भूय । भूय न भूय न भूय न भूय ।
कथितं भूय न भूय । भूय न भूय न भूय न भूय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धृताकृत्य उद्विग्ननिमग्नः पृथ्वीं
अनाथद्वयः किमप्यपनः उद्विग्नः पृथ्वीं
वेनत्रिकेन एगमुक्तः पूर्वमग्नवान् केविक
अत्रैरप्युक्तः श्रीमान्नेजवम
एगमं मृष्टं पृष्टं वनभिभं प्रयत्नः
मयमुष्टं वनमुक्तं पयामि उक्तं
कैविकयै

सव. भयी भूत धरुत भा सुगम उवम भा
 उभर भूत रभी मवैल पीरु सुकी को भगी
 धरुत भिवा भि हिरु वडिग उव भव भङ्ग
 लमयिनी उयै उरु हू उ वि सु भन रं मण
 दउ उयै उरु लु उ भवं उ भु न व थू ली यरु ।
 ममिता थू उरु हू भ वरु व वि वि मि उः ॥

मुग टिउ मुता मेव भवमिदि पू मः यिनी
 उष्टुमुनुग) गुरुमेवता मे वसु उवा ने रुम (म रु
 म्मा भमि मिहै मुले ट पू प्रणिउः सुवेनने
 नमनु धा भमव पू विवेमभा उर १ ह भया धा
 पु मे सुद प म भुमे उष्टु ठ वाम्मया म्मुं
 म्मा म्मु उष्टु म्मा म्मा म्मा म्मा म्मा म्मा म्मा

क्षम भानवं मयत्र गंममभुं ममैलवनका
ननंभर मगसिगदकरं पल्लुतुतगुल्लुविउभ
नरिना ममदभुं भुवनननभचका भुवंपर
परंसक्तिमभवगुदकरिणी ७ इहो परं ३ ।

१ लवंमगमगुदं विदुभ ५ भूमिभानकी
धुवा सधमभुभ मीनकिंकसुगउवाम वि

कगवरेवरेवरेमलेकगवरेगदुत ठेके भि १

उवरेमभिमि धूमसः त्रियतभयि रे वृ १

उवभिमं प्रष्टुं कल्लं यस्तु ११ पि मू उ भि १

स्तु भुजंसेव प्रक वमपिमस्तुडे मीठगवा

वउवाम ११ मज्जि मज्जि म द ठग उवगण

भिभंमुठम मदम ममठिदिहे भिमि दि

संज्ञायै नमः । त्रिसिद्धिः पूतमङ्गाय नमः ।
 उष्टं नमः । त्रिसिद्धिः पूतमङ्गाय नमः ।
 शतः पञ्चमङ्गाय नमः । शतमङ्गाय नमः ।
 नमः । शतमङ्गाय नमः । शतमङ्गाय नमः ।
 नमः । शतमङ्गाय नमः । शतमङ्गाय नमः ।
 नमः । शतमङ्गाय नमः । शतमङ्गाय नमः ।
 नमः । शतमङ्गाय नमः । शतमङ्गाय नमः ।
 नमः । शतमङ्गाय नमः । शतमङ्गाय नमः ।

कानीनामभरुभुवराण पावे विनियोगः (
 मयएनं उ मउरुएभ कवरुं रिनेरुं मरु
 दभिनीम मउरुग यपैयुं भासाजुमए
 वःसरैः उरुलाक भभुला उमंमउरुइं
 रिलेमनाम पासाजुसैमंमपं एरयतीमिवं कू
 ए वरुंमैलिमभलमभरुठिवरुभु

रा पा स म्पि र ऊ क पाल क मुं र ऊ न र गर स
 न ह र ॐ रि ने रं ए पे सि व सु वी तं भ न वि फु ल म्पि म
 सी रं सु र उ व म ॐ भ न वि फु ल ग क उ म न
 ल क्शीः सि व चि य वि फु ल भा य सु ठ म उ म भि नु भि
 ह म र भु जी क म क ति पू ठ ह क्शी पा व ती भ व म
 नै लः वि फु ल म भि क म उ प न ल क्शी क रि पि

यः प्रियं नमिनी नमः भु नमः भु नमः वि नमः ॥ यल्ल
विहृ भन भया वे न भन भन ए तिः ॥ श्री तिः पू वा
पू भि नमः भ नमः वि नमः भिनी ॥ भि नमः विहृ ॥
भ नमः भिः पू श्री नमः भ विहृः ॥ भ नमः भिः पू वा
नमः भिनी प नमः ले नमः ॥ पू श्री भिनी भ नमः भिः
नमः भिनी प नमः भिनी ॥ पू श्री भिनी भ नमः भिः

१
 महेतिः कुभमरुभिनी कुनभाकुल्लठ विष्टुध
 नरिधरवाभिनी मपल्लुकाभुरीभायाभरिगा
 मकुल्लभिनी कुलवागीसुरीनिष्टाविष्टल्लानाकुध
 मरी कभसुरीमनीलमठीतकुवक्रिवाभिनी
 लभुमरीभरुकालीविष्टाविष्टसुरीउषा नगीसु
 रीमभहामभवभोठगिवठिनी भाकुदुमी
 ५

नर शिंकी वैल्लती ममदे भरी काटयनी भरुनि
 ममभर ममचम भयतिक विनी नारायणी
 भरु निरुयै निरु पूठावती पूरु पाव भित्तक
 पूरुतरा मपु मती मपु क्षीर कवधुतादका
 लिका भिंदवाकन ठिकर मधु पाकर मत्रन
 केपनाकि तिः मृत्ति विरुपा जीर विरु

ॐ
नमो

३

भाऊकलावती पद्मावतीभवभूषणपुत्रकृष्णभार
धरी जेकु भनारणमूर्तीवक्रभाऊ शिवसुमी
शिवभाऊ शिवनेत्रममरमणं भवकन रण
लक्ष्मीवधरभूषणकावभूषणश्रिका रणनी
विभूषीवक्रभूषणीतिः न्यावती भद्रविभू
विभूषीवक्रभूषणीतिः भद्रगणपति विभूषीवक्र

किनीगन मभुनमभरभुती गेवरीविधर
 नामकवरीमसतदूम मयुसुदुगसकवि
 कीगदुकीभुमिः निद्रमकमनाममभुनट्टि
 वमविका वेडवडीविडभुमवरमवरवादन
 मडीभुडिदुगभयुभुमकुजुवभिनी सकम
 दुःभदुभकीभुमलिदुगभालिनी मनाली
 कु

३
 निः पञ्चकम भुक्तयुक्त द्वि- २५
 अकिं द्विनीमयः १४ विपक्षी पक्षम शि-
 परा परा कला कृतु रिमक्ति मं कला यिनी ते
 न्नी भादवरी वृद्धी के भा गी कुलवा मिनी ६८
 ७ नववती नक्तिः क म प उ व वती वरुण वरुण
 भु म भूमि म भु परा न भा गी गी भव वरुण म भिक्ति

कूतन की कन लया कलाक भू भू ऊतु म
 निमेषा काल कथिनी सुवर्ण रत्न नाना भा मकु
 भू नवतीरभा गवृ पिया भू गवृ म भू भू न
 मभने गतिः भगना ठि मृगा की मक द्यु म
 मण्डिनी पद्म येनिः सुकैमी म भुलि न क
 गकुपिनी येनि भू भू भू भू भू पिसरी पगना

मिनी भवसीभा वीवल्ली भवभडा भवसुता १
भाउली सुकल भव भवभरी कृष्ण धिनी
रजभु रणकीवा रजभु वडंभिनी सुक

भु रणणी भव सुता वडंभिया भवभरी ५

कृष्णभु भवभरी विरुध ७ कृष्णभरी

रुनिभु भवभरी पदु भवभरी १५

दि

नीमरुद्रमुमरुमुनीपरिष्कारयुक्तः सधिः २
 नीपामरुद्रमुमरुमुनीपरिष्कारयुक्तः सधिः २
 मक्तिरुद्रमुमरुमुनीपरिष्कारयुक्तः सधिः २
 वीरवीरपानमरुद्रमुनीपरिष्कारयुक्तः सधिः २
 मक्तिरुद्रमुमरुमुनीपरिष्कारयुक्तः सधिः २
 नीमरुद्रमुमरुमुनीपरिष्कारयुक्तः सधिः २

उत्तमभूषणीत्तामसलगादविनमिनी कुंभरी म
 भूपचमकभाएकभवन्निज एलछरणन
 तुकभक्तपवित्राभिनी कभगीएवतीमहाभा
 उपमपराय ॥ कुलभा नमिजभक्तभक्त
 वद्धिपूर्वणिनी पद्वैमरिक्केल्लिन्नरि
 पुमभुक्तरी वपधियावधुक्तभक्तिपा

वि ५

वि ५

वि ५

५५

अथ धिनी ॥ अथ मयूर ॥ अथ मीधुध व
कभत्रिठ कथलजु ॥ कलीक पालमाल
विनी कथलजु मूलमीया निवदुतीप्यनय
निः भिदिम वृद्धि निष्ट भटभाज ध्वेपिनी
कधु ग्रीववधुधती कृदक या कृदलया
एगमठजु धु लिनी कृगक रमा विनी ॥ ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 लक्षणं विना कस्य वक्ति जगद्व्यालया ॥ वायु
 ऊर्ध्वं मापयामीन विष्णुर्वा विष्णुर्वा ॥ सु
 भक्तु भगवति स्त्रीव गूढि श्रीवक्ति भक्तु ॥
 वल्ली उतु भक्तु नाथ भक्तु भक्तु भक्तु ॥ उ
 पविर्तीत्यः भिद्विभुपमः भिद्विभुपमः ॥

ॐ हूँ वरुण चरि भुवनाकारा वरु विभे मिनी
 मं। तिलापलन विह्वल वरु विभे मिनी
 अभिकर्मा लिकामा भुवनाकारा वरु विभे मिनी
 कैलिकीकुल विह्वल वरु विभे मिनी
 कलमरु वरु विह्वल वरु विभे मिनी वरु।
 लीभप्य भालाम भुवनाकारा वरु विभे मिनी मुकाम

ॐ छि भ

क म म उ क र क र कु पि मी ^क रूरी सी गी र कु धा म
लौं क र भु र वा मिनी भ व क र भ यी प्र ति र क र
व लु भालिनी मि त्र र क र व लु म मि त्र र उ ल क
धिया व स म व स री र म लै क व स क री धिया र प व स
भ दि धी र प म म म र म म र प र किनी र प म र प
प म भ यी र प र प र वि व चिनी म उ व लु भ यी

चलेन

अतिः सुतवत्सु प्रणिता सच पद भवामि

हि सुतगम्भवाभिनी वृद्धा करिया वैभू

सुदू मविवत्सु वसमाना यत्सु वत्सु वि

सुविता विनी मधुमाधुमयी विहवत्सु

भू रिता रिनी सुमेण भट्टमेण मत्सु कालीप

ग रिता गायत्री भट्टतिः भट्टा भ विद्रिपत्सु

मया रिभू रिपनीरुशी भुपचा भाभगा २
 यना थल्ललीगलिकगलाला लरीकुं १
 भनउनी गठणरण मु~~कु~~ नैयनिका मि
 नी भुग रिप्या डिनीलडा प्रउनाम तिलेकुभा
 लल्लः भवडीवकु कवरीपिपनासिनी ५
 ह भुगणगीतिः भुगीतिचुल्लेमना भपुभु

०५
 नकु

१ भयीतरी वसुधै कर्म कुर्वन्तः ॥ १ ॥ भक्त न गुरु
 संभक्तः स भक्तः स भक्तः निवासिनी ॥ २ ॥
 दामिनि पूज्यः पूज्यः भक्तः निवासिनी ॥ ३ ॥
 उच्यते प्रिया का भक्तः प्रियः प्रियः ॥ ४ ॥
 प्रमद प्रिया प्रमदः प्रियः प्रियः ॥ ५ ॥
 प्रमदः प्रिया प्रमदः प्रियः प्रियः ॥ ६ ॥
 प्रमदः प्रिया प्रमदः प्रियः प्रियः ॥ ७ ॥

भेदा विना मिनी विधा विना गम भनी कुमकुला
 भउकुवा कुतनी विदगी रदा कुता वेसा विना मि
 नी रको धीरा कभीर दिमीर निरु मि वा ग
 डिः मद्रिका मद्रिका विस्व अद क डि विमा
 मरी क किनी सा किनी मि धा क किनी मरू ?
 वा किनी मिता मिता धिया धा न ध क लर

CC-0. Tej K Zadoo Collection. Digitized by eGangotri

कि० म कि० भुतिः भुम कि० दगिः प्रिया
 योगिनी योग यजु म योग दृष्ट नमालिनी योग प
 दृष्ट भुज भुज नं प भगतिः न ग भिं दी भु
 एम म रिव न कुल म यिनी एम न नम मै क क
 भ म भे क म दृतिः भ क नी क म म क म क ए
 के कु पि नी रुः क द यिनी भु भु भु भु म

कविप्रिया : भट्टगभ गदिभ्रम कवृमज्जिः क
 विद्वत् भीनपरीमतीभाडा भैरकठगिङ्गुदि
 ३५ भैरमिनीभृणभामभृणभाणभमालि।
 नी भैरगुणयिनीहृष्ट भृणगदृडिवत्तिनी
 मीः कडिवभनज्ञेव ककलीकलिनमिनी।
 भृङ्गीएवपैरु प्राभृङ्गीएभृङ्गीः

एगल्लीक एगल्लीक एगल्लीक ओं धि ॥ मा
 भीकर नमिस्त्रा द्दी भादसा धे मुमीकला यउद
 मवठर मयकि ॥ १०८ मिता मित्रि ॥ मित्रि
 भायम विमिश्र क्वी सुरी मा भु भु भु भु भु
 मम भु भु भु वणै दूरा मभ्र कम्मी प्रक नवमी
 मम भु भु मी मभा कलम नभु म प्रक भु भु

०९

एषा मळीरुठैरवीकीरुठीभादिपुठैरवी
 भनरुभुमरुठैरवीमभनरुठैरवीवपुष्टि
 भनरुभुनीमभुकरलमरुठैरवी
 गलामपुष्टिभुनीमभुकरलमरुठैरवी
 मरुठैरवीमभुकरलमरुठैरवी
 मदीगीरुठैरवीमभुकरलमरुठैरवी

उक्तप्रवृत्तः भउमिनीवरा ३० भउभाउङ्गा

भिनी ॥ दिंभादंभ गडिदंभीदंभेष्टुलसिरंका

अलमदुभापीसुभा

मिभिउभाष्टम

जिउला

मधीमलेपिनीलापा भुलापलापक१

धिया

महिनीमहदभुमएलभुएलमेवडा१

जिदकरवनिःकमीभप्राक सुवतिका म

ये एहं सिक भया डीऊ डीऊक र प्रिया डी प्रिय
 धर प्रभयम के सभु के सवभिनी ॥ के १
 सिक उऊवा वडा के सा भू के सवचिनी के स
 म पद के सा वही कुंभ कुंभ भ प्रिया उऊ
 लम उला के टिः के टिः भु के टरा सिया ॥
 भुयं कुंभ भु कुंभु म भु कुंभु भु वचिनी ॥ ३९

धिनी धुठिणा मठलम ठलम विनी मंठः
 कैसीभन वडा वछिः भसभस धिक मठागः
 ललरभे भु विमैकमैकनमिनी मठिकीभ
 बुमंभुमगएभीम १६६७३ उभभीम उभेयुक्त
 गु००३५ विठविनी मठुक्त वृक्त ५० मठेम वि
 मठमभुवी मठुक्त कलिनीकल मठमभुक्त
 मठुक्ति मठलैक मयीमक्तिः मठमभुक्त

१ भवलूनवडीवाडु भवउडावरुवैठिक २
 गडिमुभुधुडिमुभुधुवभुउरीयिक ३
 भवगडिमुभुधुभमिरभमैठणविनी ४ पनकुभिः
 पनपाडापनगनकरुडा ५ मयुलुननैडा
 मकिमुभुधुवउडाठविनी ६ मुमाप्रलुममी
 कामरुडागीकिउप्रलिडा ७ नगवल्लीनगकट्ट
 ठेमिनीठगवल्लुठ ८ भवमाभुवडीविहृधुधु

CC-0. Tej K Zadoo Collection. Digitized by eGangotri

लभष्टु भक्तमङ्गलवामिनी जिभारणनी १
 कुगभुमपीष्टनमिनी मुतीकविभुभक्तम १
 ठविनीप्रीतिभुङ्गरी भवभोष्टुवतीपुक्तिदिप १
 निभुमिनी विष्टनं पाष्टुमुक्तनं ठवभगवत्तमि १
 ९९ श्री भुक्तमगुदवती विगुदगुदवल्लि १
 दिष्टुभिगुदमकलकुंकलवतिनी कल १
 कृदिगुनगी मकुदभु ठिगवती तिङ्गी १

एनीक मणीलुवभु मउउनानववल्लक ^{५५} श्रुता
 एनुउतिः श्रीतिः उतिगगविविचिनी पल्लवउ
 गति छिन्न पल्लवभु मयै मरा पल्लपितुः व
 जीमक्तिः पल्लभु नविठेचिनी उमहुमवध
 भुतीगतिः पभविनीक द ^{५५} सुउणमक्तिः
 एगयुनकणविनी ^{५५} रिकलल्लिः लिङ्ग मति

मि

अतिरिधरवाभिनी मरगासिवत्तमकभउ१
वात्रगिनी पृष्टवामीप्रीमीमिगुमीमीमि
गुमिगिमा मदसुतिरदङ्गरलभायवलि
धिया भूज्जुवाभाभिनीमभुसूसासूमेव
ज भउभाउभलीमभिः पिमभाउपिताभ
नी भुधामेकिरिमीपरीभनधीमिसुपरी
धिया भुनमभुनमरमविस्रयेनिभुनन्यूयी१

१३

उच्चैर्वर्ण्येन नृणां विष्णोर्निगम्य कृतं भक्तं म१
 नृभक्तं भिक्षुं कुप्यन्त्य मृद्वक्षी मृ१ डिमां विमा१
 शिका सुकरुधिनी साधुरी गमकी विष्टवक १
 नीवन्त्यज्जिता वगदी उरुधुम मंघ्रे पउव१
 धनुर्ग भीनभक्तिपराभावा वस्तु धूतिभास्य
 मभुता निष्ठि कुपा मभा लिगुभ मिला सुमिः
 भूतिमंभूरुपा मभुमंभूरु मभंभूतिः

१२

मन्त्रिमन्त्रिकैवल्यमयिनी विविक्तम
 विनीधुष्टणयिनीवस्तुतिः निगीतम
 मन्त्रिकमन्त्रिकैकमन्त्रिक मन्त्रिकमन्त्रिक
 यामन्त्रिकमन्त्रिकलविविचिनी कलकन्त्रिक
 प्रियाकलीकन्त्रिकमन्त्रिकमन्त्रिक मन्त्रिकमन्त्रिक
 पञ्चदशिकः पञ्चदशिकमन्त्रिकमन्त्रिक मन्त्रिकमन्त्रिक
 मन्त्रिकमन्त्रिकमन्त्रिकमन्त्रिकमन्त्रिक मन्त्रिकमन्त्रिक

उमवीरप्रचीनचिनी लयरीलयमीद्वय
 मलयवचिनी भैठगुभुठगकरभवभैठमि
 वचिनी कभकरीमिठिठुपभकीडिः पवि
 मवडा भवतीकुभयीभडिः भवमेवभयीपूठ १
 भवमिठिपूठसक्तिः भवमङ्गलमङ्गला ॥ ॥
 ०००० विभुष्टंभरभरभैठम, भुयुं नमुठ १
 धिउभ मनुचनपूठंभटंनकिकेवपूकमिउ

उमवीरप्रचीनचिनी लयरीलयमीद्वय
 मलयवचिनी भैठगुभुठगकरभवभैठमि
 वचिनी कभकरीमिठिठुपभकीडिः पवि
 मवडा भवतीकुभयीभडिः भवमेवभयीपूठ १
 भवमिठिपूठसक्तिः भवमङ्गलमङ्गला ॥ ॥
 ०००० विभुष्टंभरभरभैठम, भुयुं नमुठ १
 धिउभ मनुचनपूठंभटंनकिकेवपूकमिउ

तिः

नतः परतः भूतः परतः भूतः
 परतः विष्णु भूतः परतः भूतः
 १० उति पुष्टः भूतः विष्णु भूतः
 वंभु मनिष्टं यः सयति भूतः
 वज्रः वज्रः भूतः विष्णु भूतः
 मलेकं भा प्रतः विष्णु भूतः
 गृष्टि विष्टं विष्णु भूतः
 कुपभा

CC-0. Tej K Zadoo Collection. Digitized by eGangotri

या
 भाऊ भलिनी ज्ञिया भुपमती कन्ती कल भलि
 नी भाउ ज्ञी विराय राय रुमती देती निव मभू
 वी - मक्ति मभू वल रु दिनयन दू गू मिनी दे
 ३ वी हूँ क री रिप री परा थ भयी भाउ कुभा
 गी हूँ ॥ अने न भवु भा व मुकु नै वा नै नः का
 ये भलि गप प निवारा हुं श्री देवी थ भ म मरी भ
 कुं धन कुं सुभः कभः सावनी ए कण रि